Chapter 8:

Business Finance

Part 2

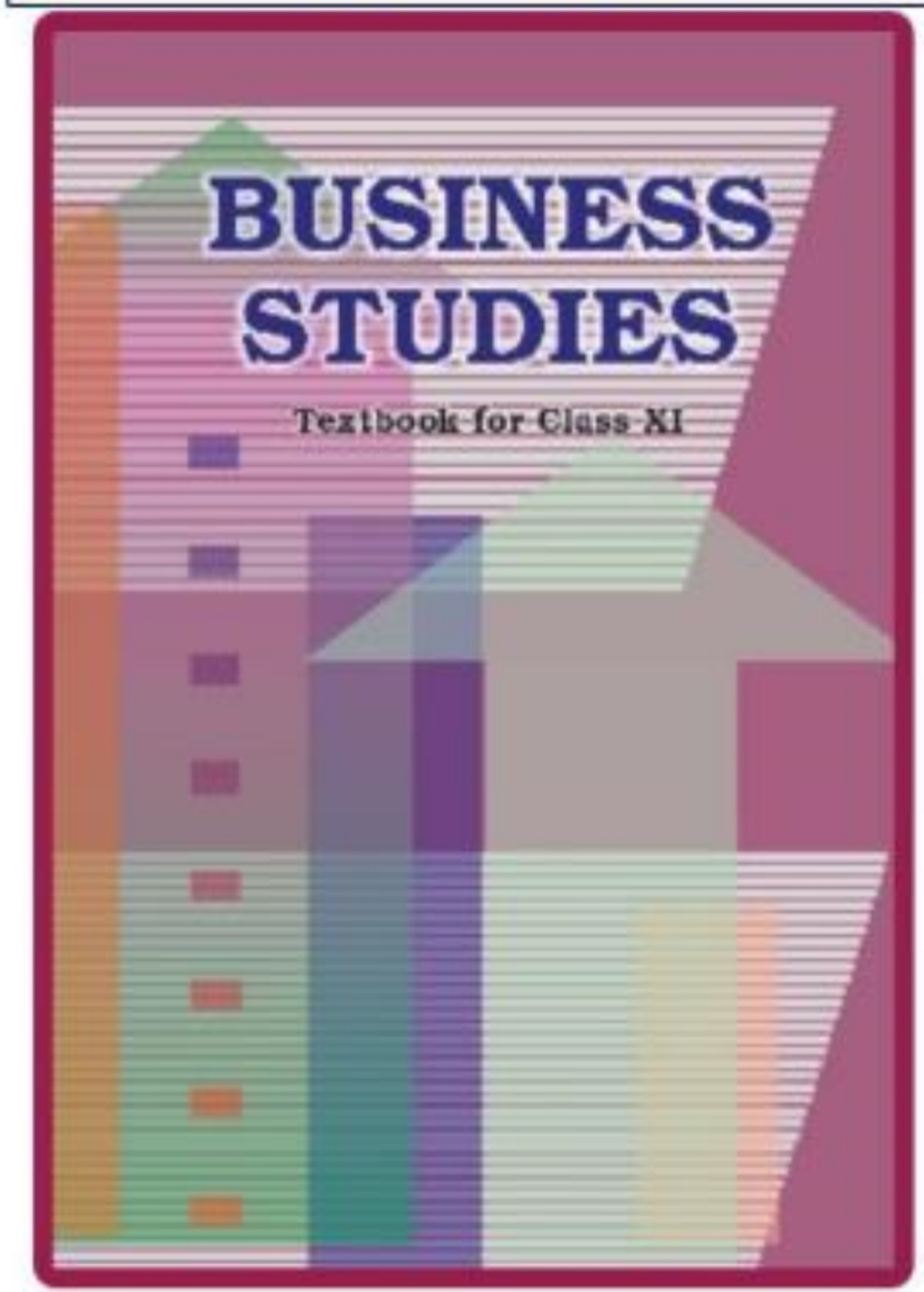

..... appears in the records of the buyer of goods as 'sundry creditors' or 'accounts payable'.

1. Trade Credit
2. Retained earning
3. Bank Credit

1. Only 1
2. Only 3
3. Only 2
4. More than one
5. None of the above

..... माल के खरीदार के रिकॉर्ड में 'विविध लेनदारों' या 'देय खातों' के रूप मे दर्ज होता है।

1. व्यापार ऋण
2. प्रतिधारित आय
3. बैंक ऋण

1. केवल 1
2. केवल 3
3. केवल 2
4. एक से अधिक
5. उपर्युक्त में से कोई नहीं

Short Term (less than 1 year) → money market

- Trade credit is the credit extended by one trader to another for the purchase of goods and services. Trade credit facilitates the purchase of supplies without immediate payment. Such credit appears in the records of the buyer of goods as 'sundry creditors' or 'accounts payable'. Trade credit is commonly used by business organisations as a source of short term financing. It is granted to those customers who have reasonable amount of financial standing and goodwill.

- व्यापार ऋण एक व्यापारी दवारा दूसरे व्यापारी को वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए दिया जाने वाला ऋण है। व्यापार ऋण तत्काल भुगतान के बिना आपूर्ति की खरीद की सुविधा प्रदान करता है। ऐसा ऋण माल के खरीदार के रिकॉर्ड में 'विविध लेनदारों' या 'देय खातों' के रूप में दर्ज होता है। व्यापार ऋण का उपयोग आमतौर पर व्यावसायिक संगठनों द्वारा अल्पकालिक वित्तपोषण के स्रोत के रूप में किया जाता है। यह उन ग्राहकों को दिया जाता है जिनकी वित्तीय स्थिति और साख उचित होती है।

Merits:

(i) Trade credit is a convenient and continuous source of funds;

(ii) Trade credit may be readily available in case the credit worthiness of the customers is known to the seller;

(iii) Trade credit needs to promote the sales of an organisation;

(iv) If an organisation wants to increase its inventory level, it may use trade credit to, finance the same;

(v) It does not create any charge on the assets of the firm while providing fund.

(i) व्यापार ऋण निधियों का एक सुविधाजनक और निरंतर स्रोत है;

(ii) यदि विक्रेता को ग्राहकों की ऋण-योग्यता ज्ञात हो, तो व्यापार ऋण आसानी से उपलब्ध हो सकता है;

(iii) व्यापार ऋण किसी संगठन की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है;

(iv) यदि कोई संगठन अपनी इन्वेंट्री का स्तर बढ़ाना चाहता है, तो वह इसके वित्तपोषण के लिए व्यापार ऋण का उपयोग कर सकता है;

(v) यह निधियाँ प्रदान करते समय फर्म की परिसंपत्तियों पर कोई भार नहीं डालता है।

Limitations:

(i) Availability of easy and flexible trade credit facilities may induce a firm to indulge in overtrading, which may add to the risks of the firm;

(ii) Only limited amount of funds can be generated through trade credit;

(iii) It is generally a costly source of funds as compared to most other sources of raising money.

(iv) आसान और लचीली व्यापार ऋण सुविधाओं की उपलब्धता किसी फर्म को अत्यधिक व्यापार करने के लिए प्रेरित कर सकती है, जिससे फर्म के जोखिम बढ़ सकते हैं;

(v) व्यापार ऋण के माध्यम से केवल सीमित मात्रा में ही धन जुटाया जा सकता है;

(vi) धन जुटाने के अधिकांश अन्य स्रोतों की तुलना में यह आमतौर पर धन जुटाने का एक महंगा स्रोत है।

Discount X

100 + 110

the owner of an asset grants the other party the right to use the asset in return for a periodic payment is called:

1. Trade credit
2. Lease Financing
3. Factoring

1. Only 1
2. Only 3
3. Only 2
4. More than one
5. None of the above

Lease Financing:

- A lease is a contractual agreement whereby one party i.e., the owner of an asset grants the other party the right to use the asset in return for a periodic payment. In other words it is a renting of an asset for some specified period. The owner of the assets is called the 'lessor' while the party that uses the assets is known as the 'lessee'
- पट्टा एक संविदात्मक समझौता है जिसके तहत एक पक्ष, यानी किसी संपत्ति का मालिक, दूसरे पक्ष को एक निश्चित अवधि के भुगतान के बदले में उस संपत्ति का उपयोग करने का अधिकार देता है। दूसरे शब्दों में, यह किसी संपत्ति को एक निश्चित अवधि के लिए किराए पर देना है। संपत्ति के मालिक को 'पट्टादाता' कहा जाता है, जबकि संपत्ति का उपयोग करने वाले पक्ष को 'पट्टेदार' कहा जाता है।

Merits:

(i) It enables the lessee to acquire the asset with a lower investment;

(ii) Simple documentation makes it easier to finance assets;

(iii) Lease rentals paid by the lessee are deductible for computing taxable profits;

(iv) It provides finance without diluting the ownership or control of business;

Limitations:

(i) A lease arrangement may impose certain restrictions on the use of assets. For example, it may not allow the lessee to make any alteration or modification in the asset;

(ii) The normal business operations may be affected in case the lease is not renewed;

(i) पट्टा व्यवस्था परिसंपत्तियों के उपयोग पर कुछ प्रतिबंध लगा सकती है। उदाहरण के लिए, यह पट्टेदार को परिसंपत्ति में कोई परिवर्तन या संशोधन करने की अनुमति नहीं दे सकती है;

(ii) पट्टे का नवीनीकरण न होने की स्थिति में सामान्य व्यावसायिक संचालन प्रभावित हो सकता है;

Limitations:

(iii) It may result in higher payout obligation in case the equipment is not found useful and the lessee opts for premature termination of the lease agreement;

(iv) The lessee never becomes the owner of the asset. It deprives him of the residual value of the asset.

(iii) यदि उपकरण उपयोगी नहीं पाया जाता है और पट्टेदार पट्टा समझौते को समय से पहले समाप्त करने का विकल्प चुनता है, तो इसके परिणामस्वरूप अधिक भुगतान दायित्व हो सकता है;

(iv) पट्टेदार कभी भी परिसंपत्ति का स्वामी नहीं बन पाता। इससे वह परिसंपत्ति के अवशिष्ट मूल्य से वंचित हो जाता है।

……. .. a type of finance where a business sells its outstanding invoices to a third party, called a factor, at a discount to receive immediate cash.

1. Accounts receivable
2. Lease Financing
3. Factoring

1. Only 1
2. Only 3
3. Only 2
4. More than one
5. None of the above

……. .. एक प्रकार का वित्त जिसमें कोई व्यवसाय तत्काल नकद प्राप्त करने के लिए अपने बकाया चालान किसी तीसरे पक्ष, जिसे फैक्टर कहते हैं, को छूट पर बेचता है।

1. प्राप्य खाते
2. लीज़ फाइनेंसिंग
3. फैक्टरिंग

1. केवल 1
2. केवल 3
3. केवल 2
4. एक से अधिक
5. उपर्युक्त में से कोई नहीं

Factoring is a financial service under which the 'factor' renders various services which includes:/

- **Discounting of bills and collection of the client's debts: Receivables on account of sale of goods or services are sold to the factor at a certain discount.**
- **बिलों की भुनाई और ग्राहक के ऋणों की वसूली: वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री से प्राप्त राशि को एक निश्चित छूट पर फैक्टर को बेचा जाता है।**

- There are two methods of factoring – recourse and non-recourse. Under recourse factoring, the client is not protected against the risk of bad debts.
- On the other hand, the factor assumes the entire credit risk under nonrecourse factoring i.e., full amount of invoice is paid to the client in the event of the debt becoming bad.
- फैक्टरिंग की दो विधियाँ हैं - रिकोर्स और नॉन-रिकोर्स। रिकोर्स फैक्टरिंग के अंतर्गत, ग्राहक को डूबत ऋणों के जोखिम से सुरक्षा नहीं मिलती।
- दूसरी ओर, नॉन-रिकोर्स फैक्टरिंग के अंतर्गत, फैक्टर संपूर्ण ऋण जोखिम वहन करता है, अर्थात, ऋण डूबत होने की स्थिति मे ग्राहक को चालान की पूरी राशि का भुगतान किया जाता है।

- Providing information about credit worthiness of prospective client's etc.,
- Factors hold large amounts of information about the trading histories of the firms. This can be valuable to those who are using factoring services and can thereby avoid doing business with customers having poor payment record. Factors may also offer relevant consultancy services in the areas of finance, marketing, etc.
- संभावित ग्राहकों की ऋण पात्रता आदि के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- फैक्टर्स के पास फर्मों के व्यापारिक इतिहास के बारे में बड़ी मात्रा में जानकारी होती है। यह उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो फैक्टरिंग सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं और इस प्रकार खराब भुगतान रिकॉर्ड वाले ग्राहकों के साथ व्यापार करने से बच सकते हैं। फैक्टर्स वित्त, विपणन आदि के क्षेत्रों में प्रासंगिक परामर्श सेवाएँ भी प्रदान कर सकते हैं।

- The organisations that provides such services include SBI Factors and Commercial Services Ltd., Canbank Factors Ltd., Foremost Factors Ltd., State Bank of India, Canara Bank, Punjab National Bank, Allahabad Bank. In addition, many nonbanking finance companies and other agencies provide factoring service.
- ऐसी सेवाएँ प्रदान करने वाले संगठनों में एसबीआई फैक्टर्स एंड कमर्शियल सर्विसेज लिमिटेड, कैनबैंक फैक्टर्स लिमिटेड, फ़ोरमोस्ट फैक्टर्स लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इलाहाबाद बैंक शामिल हैं। इसके अलावा, कई गैर-बैंकिंग इसके अलावा, कई गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियां और अन्य एजेंसियां फैक्टरिंग सेवा प्रदान करती हैं।

Limitation :

(i) This source is expensive when the invoices are numerous and smaller in amount;

(ii) The advance finance provided by the factor firm is generally available at a higher interest cost than the usual rate of interest;

(iii) The factor is a third party to the customer who may not feel comfortable while dealing with it.

(i) जब चालान बहुत अधिक और राशि में छोटे होते हैं तो यह स्रोत महंगा होता है;

(ii) फैक्टर फर्म द्वारा प्रदान किया गया अग्रिम वित्त आमतौर पर सामान्य ब्याज दर से अधिक ब्याज दर पर उपलब्ध होता है;

(iii) फैक्टर ग्राहक के लिए एक तीसरा पक्ष होता है, जो उसके साथ लेन-देन करते समय सहज महसूस नहीं कर सकता है।

The deposits that are raised by organisations for the medium term is:

1. Public deposits
2. T-Bills
3. G-Sec
4. Trade Credit

- Code:

1. Only 1
2. Only 3
3. Only 4
4. More than one
5. None of the above

- **Public Deposits:** The deposits that are raised by organisations directly from the public are known as public deposits. Rates of interest offered on public deposits are usually higher than that offered on bank deposits.
- संगठनों द्वारा सीधे जनता से जुटाई गई जमाराशियाँ सार्वजनिक जमा कहलाती हैं। सार्वजनिक जमाराशियों पर दी जाने वाली ब्याज दरें आमतौर पर बैंक जमाराशियों पर दी जाने वाली ब्याज दरों से अधिक होती हैं।

Merits:

(i) The procedure of obtaining deposits is simple and does not contain restrictive conditions as are generally there in a loan agreement;

(ii) Cost of public deposits is generally lower than the cost of borrowings from banks and financial institutions;

(iii) Public deposits do not usually create any charge on the assets of the company. The assets can be used as security for raising loans from other sources;

(iv) As the depositors do not have voting rights, the control of the company is not diluted.

Limitations:

(i) New companies generally find it difficult to raise funds through public deposits;

(ii) It is an unreliable source of finance as the public may not respond when the company needs money;

(iii) Collection of public deposits may prove difficult, particularly when the size of deposits required is large.